औषधि निर्माण में देश का नेतृत्व करें यूपी के विशेषज्ञ : राज्यपाल

शोध के लिए विषय सूची बनाकर विवि को जोड़ने के निर्देश

राजभवन में आयोजित संयुक्त संगोष्ठी में मौजूद राज्यपाल और चिकित्सक।

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश का औषधीय ज्ञान बहुमूल्य है। आयुर्वेदिक औषधियों के मानक निर्माण में प्रदेश पूरे देश के नेतृत्व के लिए आगे आए। दवा निर्माण के लिए विश्वविद्यालयों में शोध किए जाएं। वह मंगलवार को राजभवन में आयोजित आयुर्वेदिक औषधि स्वर्णप्राशन के औषधीय महत्व पर एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सकों की संयुक्त संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

राज्यपाल ने कहा कि अलग-अलग शोध कार्यों की सूची बनाएं और उनसे विश्वविद्यालयों को जोड़ा जाए। इसमें चिकित्सा के सभी विभाग और विश्वविद्यालय जोड़े जाएं। कार्य और शोध विषयों की रूपरेखा बनाकर शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाएं। राज्यपाल ने संगोष्ठी में आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सकों द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण में स्वर्णप्रशान औषधि के प्रयोग और प्रभाव पर हुई केस स्टडीज को देखते हुए कहा कि इसमें प्रभावी कार्य हुआ है। डॉ. अभय नारायण तिवारी ने स्वर्णप्राशन के स्वास्थ्यवर्द्धक प्रभावों के बारे में बताया।

केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि इसके सर्वमान्य उपयोग से पूर्व मानक और मात्रा का निर्धारण तथा दुष्प्रभावों को जानना भी जरूरी है। एसजीपीजीआई के डॉ. विकास अग्रवाल ने स्वर्णप्राशन से कुपोषित बच्चों के रक्त में किए गए शोध के सकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया। कहा कि इससे बच्चों के रक्त में बीमारी से लड़ने वाले प्रोटीन की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। ब्यूरो